Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

One Week Workshop on "Qualitative Research Methodology"

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-03-2022**

सामाजिक संदर्भों की खोज में गुणात्मक अनुसंधान सहायक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस दौरान कुलपति ने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है।

आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश जीएस जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हबीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालयय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई), प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल बड़ौदा विश्वविद्यालय, प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हकेंवि में आयोजित कार्याशाला के समापन पर सम्मिलित कुलसचिव व प्रतिभागी।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-03-2022**

गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विवि कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल आफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई। कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन

हरियाणा के केंद्रीय विवि के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने आफलाइन व आनलाइन मोड़ में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश धर में आनलाइन व आफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया। विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फार एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विवि प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विवि डा. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डा. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विवि डा. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विवि प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सीआईई), दिल्ली विवि, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सेंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी आर गोयल, बड़ौदा विवि, और प्रो. दिशा नवानी, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला के समन्वयक डा. आरती यादव, प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका बताई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया । समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देशभर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद, डॉ. दिनेश चहल व डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महेंद्रगढ़। केंद्रीय विवि में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज जेएनयू, नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह पंजाब विश्वविद्यालय, डॉ. हशीबुल्लाह शाह कश्मीर विश्वविद्यालय, प्रो. पंकज अरोड़ा शिक्षा विभाग (सीआईई) दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सीजे सोनोवाल सेंटर फॉर फैमिली एंड जनरेशंस इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डीआर गोयल बड़ौदा विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी सेंटर फॉर एजुकेशन टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान मुंबई के नाम प्रमुख रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-03-2022**

हकेंवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

महेंद्रगढ़, 13 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए।

उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुनः स्थापित कर पाएंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी।

उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरूआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्यातिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया।

शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में लिया भाग

उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया। कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो. श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू., प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफैसर, पंजाब विश्वविद्यालय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. एलेक्स अखुप, सैंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नैंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीच्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ. सुरेश बाबू जी.एस., जाकिर हुसैन सैंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जे.एन.यू. नई दिल्ली, प्रो. नंदिता सिंह, पंजाब विश्वविद्यालयय डॉ. हबीबुल्लाह शाह, कश्मीर विश्वविद्यालय प्रो. पंकज अरोड़ा, शिक्षा विभाग (सी.आई.ई.), दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. सी.जे. सोनोवाल, सैंटर फोर फैमिली एंड जनरेशंस, इंटरनैशनल इंस्टीच्यूट फोर पापुलेशन साइंसेस, प्रो. डी.आर. गोयल, बड़ौदा विश्वविद्यालय और प्रो. दिशा नवानी, सैंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे।

कार्यशाला की समन्वयक डा. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डा. दिनेश चहल, डा. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Rashtriya Khabar **Date: 14-03-2022**

हकेवि में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन

संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा गुणात्मक अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों में वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संपूर्ण शिक्षा, शिक्षण शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चूंकि मात्रात्मक अनुसंधान में प्रौद्योगिकी का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, लेकिन समाज के भीतर विभिन्न सामाजिक संदर्भों और वास्तविकताओं की खोज में गुणात्मक अनुसंधान की भूमिका की अत्यधिक सराहना की जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020

का उल्लेख करते हुए, प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इसके माध्यम से हम भारत के गौरव को पुन स्थापित कर पायेंगे और इस प्रयास में डिजिटल साक्षरता मिशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने इस मौके पर सभी प्रतिभागियों को इस दिशा में समर्पित होकर अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय कुलगीत से हुई और स्वागत भाषण स्कूल ऑफ एजुकेशन की अधिष्ठाता व आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी प्रो. सारिका शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला की आयोजन सचिव प्रो. सारिका शर्मा ने सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार द्वारा प्रतिभागियों को संपूर्ण कार्यशाला की समग्र गतिविधि और प्रगति की जानकारी दी गई जिसमें संसाधन व्यक्तियों के प्रदर्शन और गतिविधि को संक्षेप में बताया गया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला 12वें सत्र पर आधारित थी, जिसमें हरियाणा के केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने ऑफलाइन व ऑनलाइन मोड में भाग लिया और 75 पंजीकृत प्रतिभागियों ने देश भर में ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ वक्ताओं में प्रमुख रूप से प्रो श्रीनिवास राव, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू, प्रो. लतिका शर्मा, प्रोफेसर, पंजाब विश्वविद्यालयय प्रो. युक्ति शर्मा, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालयय डॉ. एलेक्स अखुप, सेंटर फॉर सोशल जस्टिस एंड गवर्नेंस, स्कूल ऑफ सोशल वर्क, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई कैंपस, डॉ सुरेश बाबू जीएस, जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू नई दिल्ली, सेंटर फॉर एजुकेशन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुम्बई के नाम प्रमुख रहे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रमोद कुमार, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. रेणु यादव ने इस कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।